

TECHNICAL ASSOCIATES LTD. LUCKNOW, INDIA

91-522-4053601

संख्या-336/18-2-2010

KIND ATTN: PRAISE 942

05.02.2010

प्रिय,
डा० जे०एन० वैश्वर,
प्रमुख सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

विषय में
समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

संयुक्त उद्योग अनुभाग-2

संलग्नक:

दिनांक: 26 फरवरी, 2010

विषय: टेण्डर/कोटेशन की क्रय प्रक्रिया में भाग लेने वाली फर्मों/प्रतिष्ठानों की बरो की तुलना वेब/केन्द्रीय विक्रीकर रहित बरो पर किया जाना तथा इन फर्मों/प्रतिष्ठानों का प्रदेशीय बाणिज्य पर/केन्द्रीय विक्रीकर पंजीयन की अनिवार्यता होना।

प्रतियोग्य,
उपर्युक्त विषय के संबंध में अवगत कराना है कि टेण्डर/कोटेशन की क्रय प्रक्रिया में बाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत फर्मों/प्रतिष्ठानों द्वारा ही भाग लेने वाले तथा आमंत्रित टेण्डर/कोटेशन में बरो की तुलना विक्रीकर रहित (वेब रहित) बरो के आधार पर किये जाने की व्यवस्था है। इस संबंध में संयुक्त उद्योग अनुभाग-5 के शासनादेश संख्या-706/18-5-2003-9(एसपी)/95 दिनांक 11-6-2003 के बिन्दु संख्या-1(1) में बरो की तुलना विक्रीकर रहित (वेब रहित) बरो के आधार पर किये जाने की व्यवस्था है, किन्तु कतिपय विभागों द्वारा टेण्डर/कोटेशन की क्रय प्रक्रिया में उक्त क्रय नियमों का पूर्णतः ध्यान नहीं किया जाता है, जो उचित/निम्नानुकूल नहीं है।

2- अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि टेण्डर/कोटेशन की क्रय प्रक्रिया में भाग लेने वाली केवल उन्ही फर्मों/प्रतिष्ठानों के टेण्डर/कोटेशन स्वीकार किये जायें व आपूर्ति आवेदन जारी किये जायें जो उक्त प्रो बाणिज्य का विभाग के अन्तर्गत पंजीकृत हो अथवा अन्य प्रदेशों की फर्मों/प्रतिष्ठानों की विज्ञापित प्रदेश में केन्द्रीय विक्रीकर बाणिज्य के अन्तर्गत पंजीकृत हों। साथ ही साथ आमंत्रित टेण्डर/कोटेशन में बरो की तुलना प्रदेश/उत्तर प्रदेश के सन्दर्भ (यथास्थिति) लागू वेब/केन्द्रीय विक्रीकर रहित बरो पर किया जायें।

3- कृपया उक्त आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु अपने अधीनस्थ समस्त विभागाध्यक्ष, कार्यालयध्यक्ष, प्रबन्ध निर्देशक/मुख्य कार्यालय अधिकारी/कार्यकारी अधिकारी, समस्त सार्वजनिक उपक्रम/निगम/परिषद/आधिकारण/स्वायत्तशासी संस्थाओं की शासनादेश के अनुपालन हेतु सम्बन्धित निर्देश जारी करने का कष्ट करें।

4- उक्त आदेशों का अन्तर्गत वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आवेगा।
भवदीय,

डा० जे० एन० वैश्वर
प्रमुख सचिव।

संख्या-336(1)/18-2-2010-सर्वदिनांक

- प्रतिलिपि निम्नलिखितों को सूचनाय एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1- आमुखा एवं निर्देशक: उद्योग, उत्तर प्रदेश, कानपुर।
- 2- समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।
- 3- महासंचालक, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

आता रो,
- [Signature]
(महा सचिव, उत्तर प्रदेश)

Date of Receipt 12/11/2009 No. 16968

Through: Courier, Regd. / Others

प्रेषक.

आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उ०प्र०,
सामग्री कय अनुभाग-7, कानपुर।

सेवा में,

1-समस्त विभागाध्यक्ष,
कार्यलयाध्यक्ष, उ०प्र०।

2-प्रयन्त्र निदेशक/मुख्य कार्यपालक अधिकारी,
समस्त शासकीय नियन्त्रणाधीन निगम /परिषद,
प्राधिकरण/स्वायत्तशासी संस्थान, उ०प्र०।

पत्रांक: /एसपी०एस-7 /एफ/०९-10

कानुपरदिनांक 2009

विषय:- शासकीय सामग्री के कय में औद्योगिक इकाइयों को मूल्य बरीयता/कय बरीयता उपलब्ध कराय जाना।

महोदय,

इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन, उ०प्र०, द्वारा दिये गये प्रत्यावेदन में बताया गया है कि सभी सरकारी विभागों/निगमों/उपक्रमों द्वारा विभिन्न प्रकार की सामग्रियों/उपकरणों का कय बडी मात्रा में किया जाता है। पूर्व में प्रदेश की इकाइयों को प्रदेश के बाहर की इकाइयों की अपेक्षा मूल्य बरीयता व कय बरीयता उपलब्ध थी किन्तु वर्तमान में विभागों/निगमों/उपक्रमों द्वारा निविदाओं के आधार पर न्यूनतम मूल्य पर कय किया जा रहा है जिसमें उनके मामलों में प्रदेशीय इकाइयों को मूल्य कम होने पर भी उनकी निविदा इस कारण स्वीकार नहीं हो पाती है कि प्रदेश के बाहर की इकाइयों को केवल 2 प्रतिशत केन्द्रीय बिक्री कर देना होता है जबकि प्रदेश की इकाइयों को उनके मूल्य पर 13.5 प्रतिशत कर व अतिरिक्त कर देना पड़ता है। फलस्वरूप वस्तु का मूल्य कम होने पर भी प्रदेश के इकाई का निविदा मूल्य अधिक हो जाता है। अनुरोध किया गया है कि प्रदेश की व प्रदेश के बाहर की इकाइयों के निविदा मूल्य की तुलना केन्द्रीय बिक्री कर व प्रदेशीय बेट घटाने के पश्चात किया जाये।

2- पूर्व में शासनादेश संख्या 560/18-796-9(एस०पी०)/94 दिनांक 7.6.98 द्वारा राज्य सरकार की कय बरीयता व मूल्य बरीयता नीति घोषित की गयी थी बाद में समय समय पर उक्त शासनादेशों के निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिये जाते रहे हैं। शासनादेश संख्या 73/18-5-2000-9 (एस०पी०)95 दिनांक 18.01.2000 द्वारा पुनः उक्त निर्देशों को पालन करने के निर्देश जारी किये गये जिसके अनुसार प्रदेश की इकाइयों को मूल्य बरीयता/कय बरीयता नीति के अन्तर्गत निम्न सुविधाएं दी गयीं।

क- दरों की तुलना बिक्री कर रहित एफओआर डेस्टीनेशन के आधार पर की जायेगी।

ख- प्रदेश की लघु इकाइयों को प्रदेश के बाहर की लघु इकाइयों की तुलना में 10 प्रतिशत तथा प्रदेश के बाहर की मध्यम एवं बृहत् इकाइयों की तुलना में 15 प्रतिशत तथा प्रदेश की मध्यम एवं बृहत् इकाइयों की तुलना में 5 प्रतिशत मूल्य बरीयता दी जायेगी।

ग- प्रदेश की मध्यम वृहत् इकाइयों को प्रदेश के बाहर की मध्यम एवं वृहत् इकाइयों के सापेक्ष 5 प्रतिशत मूल्य वरीयता दी जायेगी।

घ- प्रदेश की लघु एवं कुटीर इकाइयों को प्रदेश के बाहर की इकाइयों की तुलना में 10 प्रतिशत कम वरीयता दी जायेगी। यदि प्रदेश की लघु एवं कुटीर इकाइयों का मूल्य बाहर की इकाइयों की अपेक्षा 10 प्रतिशत अधिक है तो उनको यह सुविधा दी जायेगी कि निविदा खुलने के बाद न्यूनतम दर पर आपूर्ति करने पर सहमति दे। यदि किसी निविदा में प्रदेश के बाहर की इकाइयों ही भाग लेती हैं तो प्रदेश के बाहर की इकाइयों को भी कम वरीयता का लाभ अनुमान्य होगा।

3- शासनादेश सं० 706 दिनांक 11.08.03 तथा सं० 1261 दिनांक 22.09.06 द्वारा जारी मूल्य वरीयता कम वरीयता नीति को शासनादेश सं० 950/18-5-09-9(एस0पी0)/95 दिनांक 25.08.09 द्वारा अग्रिम 3 वर्षों के लिये पुनः बढा दिया गया है। उक्त शासनादेशों की प्रति अनुपालन हेतु संलग्न कर प्रेषित की जा रही है।

अतः अनुरोध है कि कम वरीयता/मूल्य वरीयता के सम्बन्ध में पूर्व में जारी किये गये शासकीय निर्देशों को अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

संलग्नक:- यथोक्त।

भवदीय,

(त्रियुगी नाथ शुक्ला)

संयुक्त निदेशक उद्योग(कय)

कृते आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उ०प्र०।

सं० 762- तद दिनांक 11-11-09

प्रतिलिपि त्रिजालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1- अधिशासी निदेशक उद्योग बन्धु 12 माल एवेन्यू लखनऊ को उनको पत्र सं० उ०ब०/एन० सी०एन० /०९-१०/आई०आई०ए/३५८ दिनांक अक्टूबर ३०,२००९ के सन्दर्भ में।

2- अध्यक्ष इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन आई०आई०ए भवन विन्मिडि खण्ड गोमती नगर लखनऊ।

(त्रियुगी नाथ शुक्ला)

संयुक्त निदेशक उद्योग(कय)

कृते आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उ०प्र०।

100
S.No. 11
16/10/09

प्रेषक,

आयुक्त, एवं निदेशक उद्योग, उ०प्र०,
सामग्री कय अनुभाग-7,
मुख्यालय, कानपुर

रोवा में,

अधिशार्पी निदेशक,
इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन,
आई०आई०ए० भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर,
लखनऊ-226010।

पत्रांक 598 /7-एसपीएस/

दिनांक : कानपुर : 10-9 अस्त 09

विषय :- सरकारी विभागों व सरकारी उपकर्मों/निगमों द्वारा आमंत्रित निविदाओं की दरों के मूल्यांकन के लिए तुलनात्मक विवरण में यू०पी० वैट/केन्द्रीय बिक्री कर को छोड़कर मूल्य को आधार मानने हेतु निवेदन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया अपने पत्र संख्या 2बी/7883 दिनांक 20-08-09 का संदर्भ लेने का कष्ट करें जो सरकारी विभागों व सरकारी उपकर्मों/निगमों द्वारा आमंत्रित निविदाओं की दरों के मूल्यांकन के लिए तुलनात्मक विवरण में यू०पी० वैट/केन्द्रीय बिक्रीकर को छोड़कर आधार मानने के सम्बन्ध में है।

उपरोक्त संदर्भ में अवगत कराना है कि निदेशालय के सामग्री कय अनुभाग में आमंत्रित सभी निविदाओं में वस्तुओं की दरों का मूल्यांकन वैट/केन्द्रीय बिक्रीकर को छोड़कर तैयार किए गये विवरण के आधार पर ही किया जाता है।

भवदीया,


(रीता विशाल)

संयुक्त निदेशक उद्योग(कय)
कृते-आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उ०प्र०।

17/2

प्रेषक,

गोविन्दन नायर,
प्रमुख सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

आयुक्त एवं निदेशक उद्योग,
उत्तर प्रदेश, कानपुर।

लघु उद्योग अनुभाग-5

लखनऊ: दिनांक: 29 सितम्बर, 2006

विषय:- शासकीय सामग्री कय में प्रदेश की औद्योगिक इकाईयों को प्रदत्त मूल्य वरीयता/कय वरीयता की नीति को तीन वर्षों के लिए और बढ़ाया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में लघु एवं कुटीर औद्योगिक इकाईयों के योगदान व महत्व को देखते हुए तथा प्रदेश में रोजगार के अवसरों उपलब्ध करने की दिशा में इनकी सहभागिता को दृष्टिगत रखते हुए शासनादेश संख्या-706/18-5-2003-9(एस0पी0)-95, दिनांक 11 जून, 2003 द्वारा शासकीय सामग्री कय में प्रादेशिक इकाईयों को मूल्य वरीयता/ कय वरीयता की नीति परिचालित की गयी थी जिसकी अवधि दिनांक 31 मार्च 2006 तक निर्धारित थी। उक्त कय में आपके पत्रांक 3128/7-एसपीएस/एफ-समीक्षा बैठक/2006, दिनांक 21 जुलाई, 2006 में किये गये प्रस्ताव पर शासन ने सम्यक् विचारोपरान्त उक्त सन्दर्भित शासनादेश दिनांक 11 जून, 2003 द्वारा परिचालित की गयी मूल्य वरीयता/कय वरीयता की नीति को दिनांक 31-3-2009 तक बढ़ाये जाने का निर्णय लिया है।

2- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-ई-6-799/06 दिनांक 21-9-2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

आदेश (SPS)

25/9/2006

आदेश (GEC)

16
25/9/06

392
25/9/06

भवदीय,

(गोविन्दन नायर)
प्रमुख सचिव।



Handwritten notes and signatures including 'E*(F)', '27/9', and '164/27/9'.

संख्या (1)/04/2006-2(एसओपी0) 95, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- समस्त प्रमुख सचिव / सचिव, उत्तर प्रदेश शासन को इस आशय से प्रेषित की वे कृपया अपने अधीनस्थ समस्त विभागाध्यक्ष/ कार्यालयाध्यक्ष, निगमों व प्राधिकरणों का शासनादेश अनुपालन हेतु सम्यक निर्देश अपने स्तर से जारी करें।
- 2- महालेखाकार (ऑडिट) प्रथम / ऑडिट द्वितीय, 30प्र0, इलाहाबाद।
- 3- समस्त विभागाध्यक्ष/ कार्यालयाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश।
- 4- सचिव, सार्वजनिक उद्यम अनुभाग-1 को इस आशय से प्रेषित कि वे कृपया समस्त निगमों/उपकरणों को शासनादेश के अनुपालन हेतु निर्देश जारी करें।
- 5- निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा, 30प्र0 इलाहाबाद।
- 6- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-6 / वित्त (लेखा) अनुभाग-1।
- 7- सचिवालय के समस्त अनुभाग।
- 8- मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारी समितियों एवं पंचायतें, 30प्र0, इन्दिरा भवन, अशोक मार्ग, लखनऊ।

आज्ञा से,

(श्रीराम जयन्त)

उप सचिव।

Indo Policy

संख्या- 490 / 18-5-2004-716/99

प्रेषक,
बी०के० दीवान,
मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,
उद्योग निदेशक,
उत्तर प्रदेश, कानपुर।

प्रबन्ध निदेशक,
उ०प्र० लघु उद्योग निगम लि०, कानपुर।

समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष
उत्तर प्रदेश।

प्रबन्ध निदेशक/मुख्य कार्यपालक अधिकारी, समस्त शासकीय नियंत्रणाधीन निगम/परिषद
/प्राधिकरण/स्वायत्तशासी संस्थान, उत्तर प्रदेश।

लघु उद्योग अनु०-5

दिनांक:

26
दिनांक: मार्च, 2004

विषय: लघु उद्योग इकाईयों से सामग्री क्रय हेतु भारत सरकार लघु उद्योग मंत्रालय द्वारा आरक्षित किए गए 358 आइटम्स को क्रय में लघु उद्योगों के लिए आरक्षित किए जाने एवं प्रदेश सरकार के क्रय सम्बंधी आदेशों का अनुपालन किए जाने के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यालय विकास आर्जुस्त (लघु उद्योग मंत्रालय) भारत सरकार के अर्द्धशताब्दी-22(1)/2003/ईपी एंड एम, दिनांक 29 जुलाई, 2003 का अवलोकन करने का कष्ट करें (प्रतिलिपि संलग्न) जिसके द्वारा संलग्न सूची में 358 आइटम्स को लघु उद्योग इकाईयों से क्रय हेतु आरक्षित किया गया है। प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में लघु एवं कुटीर औद्योगिक इकाईयों के योगदान एवं महत्व को देखते हुए तथा प्रदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में इनकी सहभागिता को वृष्टिगत रखते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न सूची में उल्लिखित आइटम्स का क्रय अनिवार्य रूप से लघु औद्योगिक इकाईयों से ही किया जाए।

2. शासन के संज्ञान में यह भी तथ्य आया है कि शासन द्वारा निर्धारित मूल्य वरीयता/क्रय वरीयता नीति का शासन के कतिपय विभागों, राज्य सरकार के उपक्रमों तथा अन्य प्रदेशीय संस्थाओं द्वारा पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में राजस्व की हानि होती है तथा यह कार्य वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। प्रदेश की औद्योगिक इकाईयों की मूल्य वरीयता/क्रय वरीयता प्रदान न करना केवल प्रदेश के औद्योगिक विकास में बाधक ही नहीं है, बरन पूर्व में जारी किए गए विभिन्न शासनादेशों का उल्लंघन है। अतः शासनादेश संख्या-706/18-5-2003-9 (एस.पी.)/95, दिनांक 11 जून, 2003 द्वारा प्रदेश में लागू मूल्य वरीयता/क्रय वरीयता की नीति का अनिवार्य रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

3. मुझे यह भी कहना है कि शासनादेश संख्या-2275/18-5-98-15 (एसपी)/9/92टीसी दिनांक 07 दिसम्बर, 1998 द्वारा उद्योग निदेशालय के दर अनुबन्ध पर उपलब्ध सामग्री का क्रय विभागीय मात्रा अनुबन्ध के अन्तर्गत किया जाना वर्जित है। इस सम्बंध में तत्कालीन मुख्य सचिव महोदय की ओर से शासनादेश संख्या-2917/18-5-2000-49(एसपी)/2000, दिनांक 20.12.2000 द्वारा पुनः निर्देशित किया गया है। कृपया उक्त आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाए।

आदेशक
सिद्धान्त
कुमारी
महोदय
50 दिनांक
2/3/04
1-04-04
7(K)

4. प्रायः यह भी देखने में आया है कि कतिपय विभाग विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति हेतु विभागीय स्तर पर किए जा रहे मात्रा अनुबन्ध में आमंत्रित निविदाओं में इस प्रकार की तकनीकी शर्तें तथा उत्पादन क्षमता व टर्न ओवर आदि की शर्तें लगा देते हैं जिससे एक तरफ सभी लघु औद्योगिक इकाईयों निविदा में प्रतिभाग नहीं कर पाती हैं तथा दूसरी तरफ उक्त विभाग को प्रतिस्पर्धात्मक दरें नहीं मिल पाती हैं। अतः इस प्रकार की कोई भी टेण्डर शर्तें न लगाई जाएं जिससे लघु औद्योगिक इकाईयों पूर्ण रूप से प्रतिस्पर्धा से बाहर न जाएं। ऐसी शर्तों का जगजागना लघु उद्योगों के प्रति भेदभाव, शासकीय रूप नीति का उल्लंघन एवं वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आएगा। यह व्यवस्था उन आइटम पर नहीं लागू होगी जिसके पर्याप्त गुणवत्ता के एकल आपूर्तिकर्ता हों जिनसे क्रय का अधिकतम दक्षति हुए लघु उद्योग विभाग से अनुमति प्राप्त कर ली गई है।

5. मुझे यह भी कहना है कि राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम एवं उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लि० का मूल उद्देश्य प्रदेश की लघु औद्योगिक इकाईयों के उत्पादों को विपणन सहायता प्रदान करना है तथा राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम को भारत सरकार द्वारा निम्न सुविधाएँ प्रदान की गई हैं:-

1. निविदा फार्म निःशुल्क उपलब्ध किया जाना।
2. अनेस्ट मन्ती भुगतान से छूट।
3. पंजीकरण में अंकित वित्तीय सीमा तक जमानत की धनराशि से छूट।
4. वृहद उद्योग इकाईयों द्वारा कोर्ट की गई दर पर 15 प्रतिशत दर घरीयता।

इसी प्रकार उ०प्र० लघु उद्योग निगम लि० को सुविधाएँ प्राप्त हैं तथा शासनादेश संख्या-1098/18-5-2000-71क/99, दिनांक 01 जुलाई, 2000 द्वारा समस्त सरकारी विभागों एवं शासकीय निर्वहणाधीन उपक्रमों/निगमों/प्राधिकरणों/परिषदों एवं स्वायत्तशासी संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपने प्रयोगार्थ हेतु आइटमों/सिन्का उद्योग निदेशालय से दर अनुबन्ध अथवा मात्रा अनुबन्ध जारी नहीं है और जिनको राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएलआईसी) के पक्ष में आरक्षण/घरीयता प्रदान की गई है, का क्रय उक्त शासनादेश में दिए गए निर्देशानुसार उ०प्र० लघु उद्योग निगम लि० के माध्यम से कराया जाए।

कृपया भारत सरकार एवं राज्य सरकार की क्रय नीतियों के अनुसार जारी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। इन आदेशों का उल्लंघन वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आएगा तथा इस प्रकार के अन्यायपूर्ण शासन को संज्ञान में आते हैं तो सम्बन्धित विभागाध्यक्ष/प्रबन्ध निदेशक/परियोजना निदेशक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदि के उच्च कार्यवाही वांछित होगी।

संलग्नक: सूचीपरी।

भवदीय,

(डी०के०-दीवान)
मुख्य सचिव

संख्या- 499(i), 18-5-2004-71क/99 तद्विनिर्दिष्ट

- प्रतिलिपि संलग्नक सहित निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
1. शासन के समस्त प्रमुख सचिव/सचिव को इस आशय से प्रेषित कि वे कृपया अपने अधीनस्थ समस्त विभागाध्यक्ष, कार्यालयध्यक्ष, निगम व प्राधिकरणों को शासनादेश के अनुपालन हेतु सम्बन्धित निर्देश जारी करने का कष्ट करें तथा विभागीय खरीद में इनका अनुपालन सुनिश्चित कराएँ।
 2. प्रमुख सचिव, सार्वजनिक उद्यम विभाग को इस आशय से प्रेषित कि समस्त निगमों/उपक्रमों को शासनादेश के अनुपालन हेतु निर्देश जारी करने का कष्ट करें।

3. महालेखाकार, उत्तर प्रदेश।

दि. 02-1-2003

4. विकास आयुक्त (लघु उद्योग), भारत सरकार को उनके पत्रांक-22(1)/2003-ईपी एण्ड एम/के
क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।

आज्ञा से,

(प्रो. व. चर्च)

सचिव।

Label

60271 15-0001CS-1501

संख्या : 560/19-7-94-8 (एच 0 070)-93

G-10

यशुत.पट्टेरी,
उदित, मधु पर्यटन विभाग,
भारत प्रदेश कायदा ।

उपरोक्त

कायदा एवं विवेक बलवत्;
अ.प्र.0 (भारतीय मूल्य अनुसंधान)
कायदा

विषय :- प्रदेश की औद्योगिक इकाईयों को मूल्य परीक्षण/मूल्य बरीयता दिया जाना ।
महोदय,

उपरोक्त अनुभाग (7)

प्रदेश के औद्योगिक एवं धार्मिक विभाग में तपु एवं कुटीर (औद्योगिक) इकाईयों के विवरण के महत्व को देखते हुए एवं इन इकाईयों द्वारा प्रदेश में रोजगार के परमुर उपलब्ध कराने की सम्भावनाओं को देखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर आसकीय कायदा कायदा एवं इकाईयों की मूल्य बरीयता एवं मूल्य बरीयता दिए जाने की नीति को ध्यान में रखा जा रहा है। वर्तमान में पूर्व नीति कायदा कायदा हो चुकी है। यद्यपि नीति को जारी रखने की आवश्यकता अनुभव की गई है फिर भी बदले हुए औद्योगिक एवं धार्मिक वातावरण में इस नीति में संशोधन सुधारों की आवश्यकता अनुभव की गई है जिससे स्थान प्रतियोगिता को बढ़ावा मिले। आसकीय कायदा कायदा एवं इकाईयों की तुलना प्रदेश के बाहर की इकाईयों के मूल्य के साथ बिक्री कर उचित दरों पर तथा प्रदेशीय इकाईयों के लिए बिक्री कर उचित दरों पर की जाती है। मधु अनुभव किया गया है कि तुलना बिक्री कर के दरों के कारण परमुर रखने से तुलना बनाए रखी जाए, परामर्श लागू कर करने के परदेस को बढ़ावा नहीं मिलता। मूल्य/मूल्य बरीयता नीति में आई.0 एच.0 आई.0 कायदा कायदा के बरीयता दिए जाने का औचित्य नहीं है क्योंकि यदि आई.0 एच.0 आई.0 कायदा कायदा करीबे जाते हैं, तो इस आवश्यकता का विवरण निविदा में हो दिया जाना चाहिए। पूर्व में जब बरीयता रोज में जाने वाली सभी इकाईयों को एवं अनुभवित कर दी जाती थी। इनके एक ही उत्पाद की भिन्न-भिन्न परे प्रतियोगिता हो जाती थी जिससे करीबे करीबे प्रतियोगिता को निर्णय देने में कठिनाई होती थी। जबकि नई इकाईयों को अन्य सुविधाएँ प्रदत्त हैं; आई.0 एच.0 आई.0 की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक बरीयता देना अब नीतिपूर्ण नहीं है। यह इसे समाप्त किया जाता है।

उपरोक्त विषय पर विचारों में पूर्व में जारी समस्त आदेशों को अतिरिक्त करते हुए आसकीय द्वारा मूल्य/मूल्य बरीयता को नयी नीति निम्न प्रकार निर्धारित की जाती है:-

1--पूर्व की नीति कायदा की "मूल्य परीक्षण" के आसकीय कायदा अनुभव में ही जाने वाली बरीयता के होता है। उदाहरण के लिए "मूल्य बरीयता" का कायदा कर अनुभव के अनुभव की जाने वाली बरीयता के होगा।
2--प्रदेशीय इकाईयों को मूल्य बरीयता की नीति

- (1) दरों की तुलना बिक्री कर उचित एच.0 एच.0 आई.0 कायदा कायदा के बाजार पर की जायेगी।
- (2) प्रदेश के मधु एवं कुटीर इकाईयों को प्रदेश के बाहर की मधु एवं कुटीर इकाईयों की तुलना में 10 प्रतिशत मूल्य बरीयता दी जायेगी।
- (3) प्रदेश के मधु एवं कुटीर इकाईयों को प्रदेश के बाहर की मधु एवं मध्यम इकाईयों के ताबिल 15 प्रतिशत मूल्य बरीयता दी जायेगी।
- (4) प्रदेश की मधु एवं कुटीर इकाईयों को प्रदेश के मध्यम एवं बृहत् इकाईयों के ताबिल 5 प्रतिशत मूल्य बरीयता दी जायेगी।
- (5) प्रदेश की मध्यम व बृहत् इकाईयों को प्रदेश के बाहर की मध्यम व बृहत् इकाईयों के ताबिल 5 प्रतिशत मूल्य बरीयता दी जायेगी।

3--प्रदेशीय इकाईयों की मूल्य बरीयता की नीति

- (1) यदि आई.0 एच.0 आई.0 कायदा कायदा के करीबे जाने की आवश्यकता है तो आवश्यकता का विवरण निविदा में हो दे दिया जाय। परमुर आई.0 एच.0 आई.0 कायदा कायदा के करीबे में बरीयता नहीं होगी।

LIST OF ITEMS RESERVED FOR PURCHASE FROM SMALL SCALE INDUSTRIAL UNITS INCLUDING HANDICRAFT SECTOR.

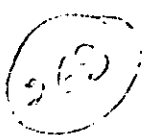
Sl.No. Item Description

- 1. AAC/ACSR Conductor upto 19 strand.
- 2. Agricultural Implements
 - (a) Hand Operated tools & implements
 - (b) Animal driven implements.
- 3. Air/Room Coolers
- 4. Aluminium builder's hardware
- 5. Ambulance stretcher
- 6. Ammeters/ohm meter/Volt meter (Electro magnetic upto Class I accuracy)
- 7. Anklets Web Khaki
- 8. Augur (Carpenters)
- 9. Automobile Head light Assembly
- 10. Badges cloth. embroidered and metals
- 11. Bags of all types i.e. made of leather, cotton, canvas & jute etc. including kit bags, mail bags, sleeping bags & water-proof bag.
- 12. Bandage cloth
- 13. Barbed Wire
- 14. Basket cane (Procurement can also be made from State Forest Corpn. and State Handicraft Corporation).
- 15. Bath tubs.
- 16. Battery Charger
- 17. Battery Eliminator
- 18. Beam Scales (upto 1.5 tons)
- 19. Belt leather & straps
- 20. Bench Vices
- 21. Bituminous Paints
- 22. Blotting Paper
- 23. Bolts & Nuts
- 24. Bolts Sliding
- 25. Bone Meal
- 26. Boot Polish
- 27. Boots & Shoes of all types including canvas shoes
- 28. Bowls
- 29. Boxes Leather
- 30. Boxes made of metal
- 31. Braces
- 32. Brackets other than those used in Railways
- 33. Brass Wire
- 34. Brief Cases (other than moulded luggage)
- 35. Brooms
- 36. Brushes of all types
- 37. Buckets of all types
- 38. Button of all types
- 39. Candle Wax Carriage
- 40. Gate Valves/stock valves (for water fittings only)

- 272
41. Cans metallic (for milk & measuring)
 42. Canvas Products :
 - (a) Water Proof Deliver, Bags to spec. No. 15 - 1422/70
 - (b) Bonnet Covers & Radiators Muff. to spec. Dtg. Lv 7/NSN/IA/130295
 43. Capes Cotton & Woollen
 44. Capes Waterproof
 45. Castor Oil
 46. Ceiling roses upto 15 amps.
 47. Centrifugal steel plate blowers
 48. Centrifugal Pumps suction & delivery 150 mm x 150 mm.
 49. Chaff Cutter Blade
 50. Chains lashing
 51. Chappals and sandals
 52. Chamois Leather
 - ✓ 53. Crookes for Light fitting
 54. Chrome Tanned leather (Semi-finished Buffalo & Cow)
 55. Circlips
 56. Claw Bars and Wires
 57. Cleaning Powder
 58. Clinical Thermometers
 59. Cloth Covers
 60. Cloth Jaconet
 61. Cloth Sponge
 62. Coir fibre and Coir yarn
 63. Coir mattress cushions and matting
 64. Coir Rope hawserlaid
 65. Community Radio Receivers
 - ✓ 66. Conduit pipes
 67. Copper nail
 68. Copper Napthenate
 69. Copper sulphate
 70. Cord Twine Maker
 71. Cordage Others
 - ✓ 72. Corrugated Paper Board & Boxes
 73. Cotton Absorbent
 74. Cotton Belts
 75. Cotton Carriers
 76. Cotton Cases
 77. Cotton Cord Twine
 78. Cotton Hosiery
 79. Cotton Packs
 80. Cotton Pouches
 81. Cotton Ropes
 82. Cotton Singlets
 83. Cotton Sling
 84. Cotton Straps
 85. Cotton tapes and laces
 86. Cotton Wool (Non absorbent)
 87. Crates Wooden & plastic

88. (a) Crucibles upto No. 200
- (b) Crucibles Graphite upto No. 500
- (c) Other Crucibles upto 30 kgs.
89. Cumblies & blankets
90. Curtains mosquito
91. Cutters
92. Dibutyl phthalate
93. Diesel engines upto 15 H.P.
94. Dimethyl Phthalate
95. Disinfectant Fluid
96. Distribution Board upto 15 amps.
97. Domestic Electric appliances as per BIS Specifications :-
 - Toaster Electric, Elect. Iron, Hot Plates, Elect. Mixer, Grinders
 Room heaters & convectors and ovens.
- ✓ 98. Domestic (House Wiring) P.V.C. Cables and Wires (Aluminium) Conforming to the
 prescribed BIS Specifications and upto 10.00 mm² nominal cross section.
99. Drawing & Mathematical Instruments
100. Drums & Barrels
101. Dust Bins
102. Dust Shield leather
103. Dusters Cotton all types except the items required in Khadi.
104. Dyes :
 (a) Azo Dyes (Direct & Acid)
- (b) Basic Dyes
105. Electric Call bells/banners/door bells
106. Electric Soldering Iron
107. Electric Transmission Line Hardware like steel cross bars, cross arms clamps arching arm,
 brackets, etc.
108. Electronic door bell
109. Emergency Light (Rechargeable type)
110. Enamel Wares & Enamel Utensils
111. Equipment camouflage Bamboo support
112. Exhaust Muffler
113. Expanded Metal
114. Eyelets
115. Film Polythene - including wide width film
116. Film spools & cans
117. Fire Extinguishers (wall type)
118. Foot Powder
119. French polish
120. Funnels
121. Fuse Cut outs
122. Fuse Unit
123. Garments (excluding supply from Indian Ordnance Factories)
124. Gas mantle
125. Gauze cloth
126. Gauze surgical all types
127. Ghamellas (Tasllas)
128. Glass Amples.

129. Glass & Pressed Wares
130. Glue
131. Grease Nipples & Grease guns
132. Gun cases
133. Gun Metal Bushes
134. Guntape
135. Hand drawn carts of all types
136. Hand gloves of all types
137. Hand Lamps Railways
138. Hand numbering machine
139. Hand pounded Rice (polished and unpolished)
140. Hand presses
- 141. Hand Pump
142. Hand Tools of all types
143. Handles wooden and bamboo (Procurement can also be made from State Forest Corps. and State Handicraft Corporation)
144. Harness Leather
145. Hasps & Staples
146. Haver Sacks
147. Helmet Non-Metallic
148. Hide and country leather of all types
149. Hinges
150. Hob nails
151. Holdall
152. Honey
153. Horse and Mule Shoes
154. Hydraulic Jacks below 30 ton capacity
155. Insecticides Dust and Sprayers (Manual only)
156. Invalid wheeled chairs.
- ✓ 157. Invertor domestic type upto 5 kv.A.
158. Iron (dhobi)
159. Key board wooden
160. Kit Boxes
161. Kodali
162. Lace leather
163. Lamp holders
164. Lamp signal
165. Lanterns Posts & bodies
166. Lanyard
167. Latex foam sponge
168. Lathies
169. Letter Boxes
170. Lighting Arresters - upto 22 kv
171. Link Clip
172. Linseed Oil
173. Lint Plain
174. Lockers
175. Lubricators
176. L.T. Porcelain KITKAT & Fuse Clips



- 177. Machine Screws
- 178. Magnesium Sulphate
- 179. Mallet Wooden
- 180. Manhole covers
- 181. Measuring Tapes and Sticks
- 182. Metal clad switches (upto 30 Amps)
- 183. Metal Polish
- 184. Metallic containers and drums other than N.E.C. (Not elsewhere classified)
- 185. Metric weights
- 186. Microscope for normal medical use
- 187. Miniature bulbs (for torches only)
- 188. M.S. Tie Bars
- 189. Nail Cutters
- 190. Napthalen Balls
- 191. Newar
- 192. Nickel Sulphate
- 193. Nylon Stocking
- 194. Nylon Tapes and Laces
- 195. Oil Bound Distemper
- 196. Oil Stoves (Wick stoves only)
- 197. Pad locks of all types
- 198. Paint remover
- 199. Palma Rosa Oil
- 200. Palingur
- 201. Pans Lavatory Flush
- 202. Paper conversion products, paper bags, envelops, Ice-cream cup, paper cup and saucers & paper Plates.
- 203. Paper Tapes (Gummed)
- 204. Pappads
- 205. Pickles & Chutney
- 206. Piles fabric
- 207. Pillows
- 208. Plaster of paris
- 209. Plastic Blow Moulded Containers upto 20 litre excluding Poly Ethylene Terphthalate (PET) Containers.
- 210. Plastic cane
- 211. Playing Cards
- 212. Plugs & Sockets electric upto 15 Amp.
- ✓213. Polythene bags
- ✓214. Polythene Pipes
- 215. Post Picket (Wooden)
- 216. Postal Lead seals
- 217. Potassium Nitrate
- 218. Pouches
- ✓219. Pressure Die Casting upto 0.75 kg.
- 220. Privy Pans
- 221. Pulley Wire
- 222. PVC footwears
- ✓223. PVC pipes upto 110 mm.

- (11)
- 2
224. PVC Insulated Aluminium Cables (upto 120 sq mm) (ISS:694)
 225. Quilts, Razais
 226. Rags
 227. Railway Carriage light fittings
 228. Rakes Ballast
 229. Razors
 230. RCC Pipes upto 1200 mm dia
 231. RCC Poles Prestressed
 232. Rivets of all types
 233. Rolling Shutters
 234. Roof light Fittings
 235. Rubber Balloons
 236. Rubber Cord
 237. Rubber Hoses (Unbranded)
 238. Rubber Tubing (Excluding braided tubing)
 239. Rubberised Garments Cap and Caps etc.
 240. Rust/Scale Removing composition.
 241. Safe meat & milk
 242. Safety matches
 243. Safety Pins (and other similar products like paper pins, staples pins etc.)
 244. Sanitary Plumbing fittings
 245. Sanitary Towels
 246. Scientific Laboratory glasswares (Barring sophisticated items)
 247. Scissors cutting (ordinary)
 248. Screws of all types including High Tensile
 249. Sheep skin all types
 250. Shellac
 251. Shoes laces
 252. Shovels
 253. Sign Boards painted
 254. Silk ribbon
 255. Silk Webbing
 256. Skiboats & shoe
 257. Sluice Valves
 258. Snapfastner (Excluding 4 pcs. ones)
 259. Soap Carbofic
 260. Soap Curd
 261. Soap Liquid
 262. Soap Soft
 263. Soap washing or laundry soap
 264. Soap Yellow
 - ✓ 265. Socket/pipes
 266. Sodium Nitrate
 267. Sodium Silicate
 268. Sole leather
 269. Spectacle frames
 270. Spiked boot
 271. Sports shoes made out of leather (for all Sports games)
 272. Squirrel Cage Induction Motors upto and including 100 KW440 volts 3 phase

273. Stapling machine
274. Steel Almirah
275. Steel bedsstead
276. Steel Chair
277. Steel desks
278. Steel racks/shelf
279. Steel stools
280. Steel trunks
281. Steel wool
282. Steel & aluminium windows and ventilators
283. Stockinet
284. Stone and stone quarry rollers
285. Stoneware jars
286. Stranded Wire
287. Street light fittings
288. Student Microscope
289. Studs (excluding high tensile)
290. Surgical Gloves (Except Plastic)
291. Table knives (Excluding Cutlery)
292. Tack Metallic
293. Taps
294. Tarpaulins
295. Teak fabricated round blocks
296. Tent Poles
297. Tentage Civil/Military & Saliah Jute for Tentage
298. Textiles manufacturers other than N.E.C. (not elsewhere classified)
299. Tiles
300. Tin Boxes for postage stamp
301. Tin can unprinted upto 4 gallons capacity (other than can O.T.S.)
302. Tin Mess
303. Tip Boots
304. Toggle Switches
305. Toilet Rolls
306. Transformer type welding sets conforming to IS:1291/75 (upto 600 amps)
307. Transistor Radio upto 3 band
308. Transistorised Insulation - Testers
309. Trays
310. Trays for postal use
311. Trolley
312. Trolleys - drinking water
313. Tubular Poles
314. Tyres & Tubes (Cycles)
315. Umbrellas
316. Utensils all types
317. Valves Metallic
318. Varnish Black Japan
319. Voltage Stabilisers including C.V.T's
320. Washers all types
321. Water Proof Covers